साप्ताहिक राशिफल

डॉ. एच सी जैन, ज्योतिषाचार्य

22 से 28 नवंबर 2020 तक

आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्मसंयम-केवल यही तीन जीवन को परमसंपन्न बना देते हैं। - टेनीसन

(23 नवंबर : अक्षय नवमी) हिंदू धर्मों से सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में से एक अक्षय नवमी को कहा जाता है। इसे हिंदू कैलेंडर के अनुसार, कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष के नौवें दिन अक्षय नवमी को मनाया जाता है। अक्षय नवमी के किए गए दान या किसी धर्मार्थ कार्य का लाभ व्यक्ति को वर्तमान और अगले जन्म में भी प्राप्त होता है। अक्षय नवमी देव उठनी एकादशी के से दो दिन पहले मनाई जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन से ही सतयुग शुरू हुआ था। ऐसे में इस दिन को सत्य युगाडी भी कहा जाता है। यह अक्षय तृतीया के समान है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि इस दिन त्रेता युग भी शुरू हुआ था और इसे त्रेता युगाडी के नाम से भी जाना जाता है।

मेष

इस सप्ताह इस राशि के जातक सप्ताह के प्रारम्भ में थोड़ा मानसिक उधेड़बुन में रहेगें। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। कार्यों में शिथिलता एवं आलस्य की स्थिति रहेगी। मंगल अभी निरन्तर वक्री अवस्था में बना हुआ है इसलिए कार्यों में विलम्ब या देरी से पूर्ण होने की स्थिति बनती है।

कारोबार धंधे में मंदा रहने से सोच समझकर कदम रखें।

स्वास्थ्य सर्दी का प्रभाव रहेगा। सावधानी जरूरी।

शिक्षा कैरियर के संबंध में मित्रों से सहयोग मिलेगा।

प्रेम परिवार में प्रेम-प्रसंग का माहौल बना रहेगा।

उपाय बजरंग बाण का पाठ करें

मिथुन

इस सप्ताह इस राशि के जातक सक्रिय रहेगें। व्यापार आदि की दृष्टि से सप्ताह अनुकूल है। बाजार में पैसा लगाना विशेष लाभप्रद स्थिति बना सकता है। शेयर मार्केट या अन्य किसी मद में व्यापारिक दृष्टिकोण से पैसा लगाना विशेष लाभ की स्थिति बना सकता है। विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल है।

कारोबार व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। निवेश लाभ देगा।

स्वास्थ्य माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ख्यान रखें।

शिक्षा नौकरी में सफलता मिलेगी। मित्र सहयोग करेगा।

प्रेम लिव-इन से दूर रहें। धोखा मिल सकता है।

उपाय गणपति जी को दूर्वा चढ़ाएं

सिंह

इस सप्ताह इस राशि के जातक थोड़ा मानसिक द्वंद में रहेगें लेकिन सक्रियता बनी रहेगी। किसी पर आवश्यकता से अधिक विश्वास न करें सतर्कता बनाये रखें। लेन-देने एवं उधार देने से बचें। नहीं तो मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। शासन प्रशासन से थोड़ा मिला-जुला सहयोग रहेगा।

कारोबार कर के दायरे में आ सकते हैं। सावधानी रखें।

स्वास्थ्य बारिश में सेहत का ध्यान रखें। पानी पिएं।

शिक्षा कैरियर पर ध्यान दें। सफलता कदम चूमेगी।

प्रेम शादी पक्की होगी। परिजन को खुशी मिलेगी।

उपाय ऊँ शं शनिश्चरायै नमः का जाप करें

तुला

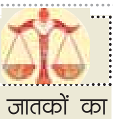

इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय मिलाजुला रहेगा। जहाँ एकतरफ छोटी-छोटी बातों पर तनाव का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जातक अपनी बातचीत की कला से कई महत्वपूर्ण कार्यों को पटरी पर ला सकता है। व्यापार आदि की दृष्टि से समय मिलाजुला रहेगा। व्यापार में लाभ होगा।

कारोबार व्यापार में लाभ की संभावना है। हर्ष होगा।

स्वास्थ्य सेहत पर विशेष ध्यान दें। सुपाच्य भोजन करें।

शिक्षा अध्ययन में सुधार होगा। विदेश में पढ़ाई का योग।

प्रेम विवाह का प्रस्ताव आ सकता है। मन खुश रहेगा।

उपाय शिव-पार्वती जी की पूजा-अर्चना करें।

धनु

इस सप्ताह इस राशि के जातक सक्रिय रहेगें। भागदौड़ का प्रतिफल मिलेगा। आर्थिक समस्यायें रहेगीं। लेकिन सूझ-बूझ से किये गये कार्यों का प्रतिफल जातक को मिलेगा। बीच-बीच में तनाव के बीच थोड़ी राहत मिल सकती है। सोच-समझकर किये गये कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। दिवाली पर गिफ्ट मिलेगी।

कारोबार निवेश सोच समझकर ही करें, नुकसान संभव।

स्वास्थ्य पुरानी बीमारी ठीक होगी। माता का ध्यान रखें।

शिक्षा पढ़ाई में पूरी तरह से मन लगाएं, सफल होंगे।

प्रेम जीवन साथी से नम्र व्यवहार रखें। सहयोग मिलेगा।

उपाय ऊं दुं दुर्गाय नमः का जाप करें

कुंभ

इस सप्ताह इस राशि के जातक सक्रिय रहेगें यद्यपि अनावश्यक भागदौड़ एवं खर्च की अधिकता रहेगीं। लेकिन सोच-समझकर किये गये कार्यों का लाभप्रद स्थिति बनेगीं। घर परिवार से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में जातक सफल हो सकता है। लाभप्रद स्थितियाँ बन सकती है।

कारोबार निवेश में लाभ होगा। सट्टा में जोखिम है।

स्वास्थ्य वाहन से चोट आ सकती है। सेहत का ध्यान रखें।

शिक्षा नौकरी का प्रयास करें। सफलता कदम चूमेगी।

प्रेम प्रेम-संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। खुशी मिलेगी।

उपाय सुहागन महिलाओं को श्रृंगार दान करें

वृषभ

इस सप्ताह इस राशि के जातक थोड़ा उतार-चढ़ाव की स्थिति में रहेगें। यद्यपि थोड़ा भ्रम की स्थिति रहेगी। लेकिन जातक अपनी सूझ-बूझ से स्थिति को पटरी पर लाने के लिए निरन्तर सक्रिय बने रहेगें। प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव के साथ प्रगति होगी। सोच-समझकर कार्य करें अनावश्यक तनाव होगा।

कारोबार निवेश सोच-समझकर ही करें। सलाह ले लें।

स्वास्थ्य सर्दी जुकाम व बुखार से सावधान रहें। योग बना है।

शिक्षा रिजल्ट अच्छा आएगा। परिणाम अच्छे आएंगे।

प्रेम गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे। बनी बात बिगड़ेगी।

उपाय रामरक्षा सत्रोत का पाठ करें

कर्क

इस सप्ताह इस राशि के जातक थोड़ा मानसिक तनाव में रहेगें। कार्यों की गतिशीलता थोड़ी शिथिल रहेगी। लेकिन सप्ताह का अन्त आते-आते स्थितियाँ अचानक पटरी पर आयेगीं। और बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है। यदि व्यापार आदि में पैसा लगाना हो तो बहुत सोच-समझकर ही पैसा लगाये।

कारोबार शेयर-धातु में घाटा हो सकता है। सावधान रहें।

स्वास्थ्य पेट दर्द, बुखार हो सकता है। विशेष ध्यान रखें।

शिक्षा कैरियर की ओर झुकाव रहेगा। सफलता मिलेगी।

प्रेम पत्नी का सहयोग करें। लाभ मिलेगा।

उपाय भैरव चालीसा का पाठ हर रविवार करें

कन्या

इस सप्ताह इस राशि के जातक सक्रिय रहेगें। व्यापार आदि के लिए समय लगभग अनुकूल है बजार में सोच-समझकर पैसा लगाने से बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है। प्रेम संबंधों की भी स्थिति उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ेगी । प्रेमी पर अधिक खर्च से बचे। विलासिता पर भी खर्च से बचें। तनाव का सामना होगा।

कारोबार शेयर-सट्टा संभल कर खेलें हानि संभव।

स्वास्थ्य चोट-मोच आ सकती है। सेहत का ध्यान रखें।

शिक्षा विदेश में अध्ययन का योग बनेगा। सफल होंगे।

प्रेम मनचाही भेंट हो सकती है। जल्दबाजी न करें।

उपाय ऊँ नमः शिवाय की 11 माला करें

वृश्चिक

इस सप्ताह इस राशि के जातकों का मन उत्साहित रहेगा। कार्यों में शिथिलता या धीमी गति से प्रगति के कारण तनाव की स्थिति रहेगी। सोच-समझकर ही कार्य करें तभी कार्य पटरी पर आयेगें। अभी परिस्थितियां बहुत अनुकूल नहीं है इसलिए पूरी रणनीति एवं तनमयता के साथ कार्य करने होंगे।

कारोबार व्यापार में सफलता मिलेगी। बाजार मंदा रहेगा।

स्वास्थ्य सर्दी जुकाम हो सकता है। सुपाच्य भोजन करें।

शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर सफलता मिलेगी।

प्रेम लिवइन में सावधानी रखें। परेशानी होगी।

उपाय गाय को हरा चारा बुधवार को खिलाएं

मकर

इस सप्ताह इस राशि के सक्रिय रहेगें। निर्माण कार्यों में विशेष रुचि लेगें। बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है लेकिन खूब परिश्रम करना पड़ेगा। थोड़ी-सी शिथिलता से जातक बड़े लाभ से वंछित हो सकता है भवन निर्माण ठेकेदारी मशीनरी कार्यों से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह बहुत अनुकूल है। बड़ा लाभ मिल सकता है।

कारोबार नए आर्डर मिल सकते हैं। धंधा ठीक रहेगा।

स्वास्थ्य डॉक्टर से परामर्श लेते रहें। बीमारी बढ़ेगी।

शिक्षा पढ़ाई में विशेष रुचि रहेगी। सफलता मिलेगी।

प्रेम प्रेम-प्रसंग से खुशी होगी। सहयोग मिलेगा।

उपाय पीपल की सात परिक्रमा हर शनिवार करें

मीन

इस सप्ताह इस राशि के जातक सूझ-बूझ से काम लेगें अपनी बात-चीत की कला से कार्यों को पटरी पर लायेगें। कभी-कभी तीखी वाणी का प्रयोग जातक कर सकता है। इससे बचें नहीं तो कार्य उलझ सकता है। मंगल के वक्री होने के कारण जातक के कार्यों की सक्रियता में थोड़ा कमी आ सकती है।

कारोबार जोखिम से सावधान रहें। शेयर में घाटा संभव।

स्वास्थ्य बुजुर्ग की सेहत का आप विशेष ध्यान रखें।

शिक्षा कैरियर में बेहतर सफलता मिलने की उम्मीद।

प्रेम पुराने मित्र से भेंट होगी। गुप्त बातें न बताएं।

उपाय शाम को 7 बजे तुलसी पर दीपक लगाएं

व्रत-पर्व

- 22 नवंबर : गोगाष्टमी
- 23 नवंबर : अक्षय नवमी
- 24 नवंबर : कार्तिक शु. 10
- 25 नवंबर : तुलसी विवाह
- 26 नवंबर : चातुर्मास समा.
- 27 नवंबर : प्रदोष व्रत
- 28 नवंबर : कार्तिक शु. 13

ग्रह स्थिति

- सूर्य : वृश्चिक
- मंगल : मीन में मार्गी
- बुध : तुला में मार्गी
- गुरु : धनु राशि में
- शुक्र : तुला राशि में
- शनि : मकर राशि में
- राहू : वृष राशि में
- केतु : वृश्चिक राशि में

भविष्यवाणी

मौसम : ग्रहयोगों के कारण इस बार शीतलहर का प्रकोप अधिक रहेगा। सर्दियों में बुजुर्गों की देखभाल का विशेष ध्यान रखें। छोटे बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं का विशेष ध्यान रखें। मौसमी बीमारियां बढ़ेंगी।

व्यापार : शेयर, धातु, खाद्य पदार्थ आदि में भी तेजी-मंदी सप्ताहभर बनी रहेगी। अर्थव्यवस्था में तेजी का रुख आएगा। वाहनों की बिक्री बढ़ेगी। आभूषणों की मिलीजुली रह सकती है।

राजनीति : इस सप्ताह केंद्र सरकार जनहित की योजनाएं लागू करेगी। कोराना संकट बढ़ने से मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा होगा। सरकार को सावधानी बरतनी होगी। जनता सावधान रहे।

घर में फेंगशुई गैजेट ऊंट की स्थापना करें

समझदार वही है, जो बुरे दिनों के लिए पहले से तैयार रहता है। बात चाहे रुपए-पैसे की हो या स्वास्थ्य की, आर्थिक तंगी से निपटने के लिए हम नियमित बचत करते हैं तो बीमारी, रोग आदि के लिए मेडिकल इंश्योरेंस करवाते हैं। यह बताने की जरूरत नहीं कि ये सब चीजें बुरे समय में हमारे कितनी काम आती हैं। अगर आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है या परिवार के किसी सदस्य को बीमारी, दुर्घटना आदि का खतरा बना रहता है, तो यह गैजेट निश्चित रूप से उसके लिए सहायक साबित हो सकता है। यही नहीं, हमारी आधी से अधिक चिंताओं और परेशानियों की वजह होती है आर्थिक समस्या। आपको अपने निवेश का उचित प्रतिफल मिले और आपके पास कैश फ्लो यानी नगद की आवक बनी रहे, इसके लिए फेंगशुई ऊंट को घर के उत्तर-पश्चिम में स्थापित करना चाहिए। अधिकतम लाभ पाने के लिए ऊंट का जोड़ा स्थापित करना चाहिए।

अचानक दुर्घटनाओं से रक्षा करता है घर-ऑफिस में रखा पिरामिड

पिरामिड को कार या बाइक पर रखने, पहनने या फिर किसी पात्र में रखे हुए पिरामिड के जल का प्रयोग करने से क्या लाभ होता है। वास्तु के मुताबिक पिरामिड शक्ति संचय का श्रेष्ठ उपकरण होता है। यही वजह है कि दुर्घटना से बचने, ध्यान और चिकित्सा के क्षेत्र में पिरामिड का प्रयोग किया जाता है। तो आइए जानते हैं।

पिरामिड यानी कि शक्ति और ऊर्जा का केंद्र। यह एक गुंबदनुमां आकृति होती है, जिसके आसपास होने ऊर्जा से भरपूर शुद्ध वायु मिलती है और शांति का अनुभव होता है। यही नहीं कार में पिरामिड रखने से आप बड़ी सी बड़ी दुर्घटना से भी बच सकते हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक कार या बाइक में पिरामिड रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वास्तु के मुताबिक पिरामिड शक्ति संचय का श्रेष्ठ उपकरण होता है। यही वजह है कि दुर्घटना से बचने, ध्यान और चिकित्सा के क्षेत्र में पिरामिड का प्रयोग किया जाता है। तो आइए जानते हैं पिरामिड को कार या बाइक पर रखने, पहनने या फिर किसी पात्र में रखे हुए पिरामिड के जल का प्रयोग करने से क्या लाभ होता है। आइये जानते हैं।

- **दुर्घटना से बचाता है पिरामिड -** पिरामिड सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत होता है। इसे कार या फिर किसी भी वाहन में रखने से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही कभी एक्सीडेंट की स्थिति बनें भी तो यह व्यक्ति को सही निर्णय लेने में मदद करता है। पिरामिड के बारे में कहा जाता है कि इससे निकलने वाली वाली पॉजिटिव एनर्जी चालक को एकाग्रता के साथ गाड़ी चलाने में मदद करती है। शास्त्र कहता है कि वाहन में रखा पिरामिड दुर्घटना से बचाने में असरदायक है।
- **बढ़ती है एकाग्रता -** वास्तु के मुताबिक एक्राागता व स्मरण शक्ति में वृद्धि करने के लिए किसी बर्तन में चावल रखें और उसके ऊपर पिरामिड रख दें। इसके बाद गणपति मंत्र का जाप करें। इसके बाद उन्हीं चावलों की खीर बना लें। इस खीर को खाने से आपकी एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।
- **बढ़ती है आंखों की रोशनी -** वास्तु कहता है कि किसी पात्र में पानी रखकर उसमें पिरामिड रख दें। इसके बाद उसी पानी से चेहरा और आंखों को धोने से चेहरे पर चमक और आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- **आर्थिक संपन्नता आती है -** वास्तु के मुताबिक व्यापार में वृद्धि के लिए शुभ समय में पिरामिड लाएं। इसके बाद मां लक्ष्मी के मंत्रों से उसकी पूजा करके ईशान कोण या फिर उत्तर दिशा में रख दें। इससे आपके व्यवसाय में वृद्धि होगी।
- **शत्रु नाश भी होता है :** पिरामिड को यदि बगलामुखी मंत्र से अभिमंत्रित करके दक्षिण दिशा में लगा दिया जाए तो इस तरह से शत्रुओं का नाश हो जाता है।

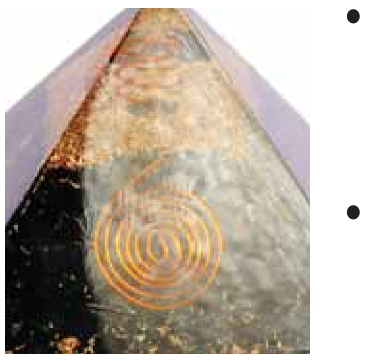

वास्तु टिप्स

खिड़की पर लगाएं पर्दे

हमारे जीवन में तमाम तरह की परेशानियां आती है जिसे दूर करने के लिए वास्तुशास्त्र में कई तरह के उपाय बताए गए हैं जिसको अपनाने से परेशाानियां खत्म हो जाती है। आज हम वास्तुशास्त्र के कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे है जिसे अपनाने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार,अपने घर के मेन दरवाजे के पास पेड़-पौधे लगाना चाहिए लेकिन इस बात का ध्यान देना चाहिए कि कांटेदार पौधे न लगाएं इससे सकारात्मक ऊर्जा नहीं आती है। घर के मुख्य दरवाजे पर कभी भी कोई भारी चीज नहीं लटकानी चाहिए. ऐसा करने से आपका कोई भी काम नहीं रुकता है और धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती है।

कविता

निवेदिता झा

हंसती स्त्रियां अच्छी लगती हैं

कितने दिन हुए
न बैठकर वो सुलझा पाई अपने लंबे केश
न लगा पाई झिका
कलाईयां पतली हुई और कंगन गायब
और न देख पाई अपने ही शरीर से घटता चूना
कि नमक की कमी
बारिश का मौसम
मन के बरसने का मौसम
भूख और मकई का मौसम
समय खर्च हो जाता है
जब श्रृंगार में लग जाएं स्त्रियां
रुकते पहिया नाराज हो जाते पुरुष
तभी तो गुदना सज जाता है ताउम्र
और पीड़ा सहने की आ जाती है ताकत
चलते-चलते थक गए कुनबे के लोग
बसा कबीला और कहलाने लगे गांव
पहाड़ पर रहने पर कोई बड़ा नहीं होता
पैर खींचने को नीचे ही मिलते हैं लोग
सिंधु की गोद से निकल कहां इन घाघों में आ बसे
जो बदल गया खुद भी लोहे में समय की तरह
रोहतासगढ़ की कहानी में वो जीतकर भी नहीं हंसी
वो बदल नहीं सकी किस्मत सखियों की
जानती है हंसती हुई स्त्रियां अच्छी लगती है
मगर कोई उसे हंसने के मौके तो दे...।

उफ, सब इतना अच्छा

ससुराल के संदर्भ में स्थापित धारणा के विपरीत युवती की आकांक्षाओं के अनुरूप पति और सास-ससुर के सहयोग के एक सर्वथा नए परिवेश को रेखांकित करती कहानी...

कहानी

क्षमा शर्मा

एक बार लवलीन ने शादी के कुछ दिन बाद, महेश से कहा था कि वह दिन भर घर में बोर हो जाती है। नौकरी करतो कैसा रहे।

महेश बोला, 'ठीक है, करो।'

'तुम्हें कोई दिक्कत तो नहीं होगी।'

'दिक्कत क्यों। आजकल सब तो करते हैं। मैं भी यही सोच रहा था।'

'जब लौटोगे तो हो सकता है, तब तक मैं न लौट पाऊं।'

'अरे, मैं कौन सा चाहता हूं कि जब लौटूं तो तुम सजी-संवरी मेरी राह देखती मिलो। अच्छा है, बाहर निकलोगी तो कुछ मन भी लगेगा।'

'लेकिन जो मेरी पढ़ाई-लिखाई है, उस हिसाब से यहां क्या नौकरी मिलेगी। यहां तो बड़ी कंपनियों के दफ्तर भी नहीं।'

'हां, यह तो है। अब इसके लिए तो तुम्हें खुद ही ट्राई करना पड़ेगा।'

'अगर बाहर कहीं मिले तो।'

'तो चली जाना।'

'तब तुम अकेले कैसे रहोगे।'

'अरे, बहुत से लोग अकेले रहते हैं। वैसे भी इतने दिन अकेला ही तो रहा हूं। कभी तुम आ जाया करना। कभी मैं। हो सकता है, वहां मेरा ट्रांसफर ही हो जाए। अपने लिए मैं तुम्हारी तरक्की और सपनों पर ब्रेक तो नहीं लगा सकता। तुम्हारी शादी ही तो मुझसे हुई है, कोई गुलामी नहीं कर रही हो मेरी।'

उस दिन देर तक लवलीन सोचती रही कि उसकी बड़ी बहन जो एक कालेज में पढ़ाती थी, अच्छी-भली सैलरी थी, लेकिन उसे सिर्फ इसलिए नौकरी छोड़ देनी पड़ी, क्योंकि जीजाजी का ट्रांसफर हो गया था। बहन अगर नौकरी पर बनी रहती तो हो सकता है, उस कॉलेज की प्रिंसिपल बन जाती, क्योंकि उसकी सहेली, जिसने बहन के साथ ही ज्वॉइन किया था, बाद में प्रिंसिपल बनी थी। क्या पता बाद में किसी युनिवसिटी की वाइस चांसलरही...। जीजाजी की जगह महेश होता तो शायद ऐसा न होता।

लवलीन को नौकरी करने का मौका नहीं मिला था, क्योंकि पढ़ाई अभी खत्म भी नहीं हुई थी कि महेश के पिता ने पापा के पास रिश्ता भिजवा दिया था। अच्छा-खासा सरकारी नौकरी वाला इंजीनियर घर बैठे मिल रहा था। पापा ने लवलीन से पूछा था तो उसने कहा कि अभी तो पढ़ाई पूरी हुई है, दो-चार साल नौकरी कर लेती तो ठीक रहता। कुछ पैसे भी जुड़ जाते। आजाद हवा में सांस लेने का कुछ मौका भी मिलता। तब पापा ने कहा था, 'अच्छा लड़का हमेशा तो मिलता नहीं है और पैसे की चिंता तुझे क्यों। तेरी शादी के लिए पहले से ही जोड़ रखा है। वैसे भी वे लोग कह रहे हैं कि कुछ नहीं चाहिए, बल्कि दावत भी नहीं। मंदिर में शादी करने को कह रहे हैं।' क्या कहती लवलीन! उसने अपनी एक सहेली की तरह यह कसम नहीं ले रखी थी कि शादी करनी ही नहीं है। करनी है, मगर कुछ देर से, लेकिन जरूरी तो नहीं कि देर से। शादी करे और सब कुछ मन माफिक ही हो। खैर, जब उसने कुछ नहीं कहा था तो चट मंगनी, पट ब्याह हो गया।

ससुराल आई थी तो सोचकर कि जैसे उसकी मां ने हमेशा दादी की जली-कटी सुनी हैं, अगर किसी ने उससे कुछ कहने की कोशिश की तो पहले दिन से ही नहीं सहेगी, क्योंकि एक दिन सह लो तो पूरी जिंदगी सहते ही रहो, मगर सासू मां तो ऐसी निकलीं कि लोग कहने लगे, 'अरे, तुम अपनी बहू को इतना सिर पर चढ़ा रही हो, देखकर हमारी बहुएं भी बिगड़ जाएंगी।' इस पर सासू मां कहतीं, कोई बिगड़ेगा ये सोचकर, मैं अपनी बहू से क्यों कुछ कहूं।' लवलीन काम में हाथ लगाती तो कहती, अरे बेटा, तुम्हारी खेलने-खाने की उमर है। मुझ बुढ़िया का क्या है, जिंदगी भर यही किया है तो अब तेरे आने से कुछ बदल थोड़े ही गया है। पहले दिन जब उसने सिर परपल्लू रखने की कोशिश की तो उन्होंने टोका न भाई न, ये सब नहीं। घर की लड़की हो तो लड़की की तरह ही रहो। यहां तक कि रसोई में क्या पकेगा, वह सबसे पहले उससे पूछतीं।

घर में तो मम्मी चाहे जब लताड़ती थीं, बात न मानो, न सुनो तो थप्पड़ भी लगा देती थीं और पापा डांटते रह जाते थे कि अरे इतनी बड़ी लड़की पर हाथ उठाते शर्म नहीं आती। मां उन पर ही बिफरतीं, बड़ी होगी तुम्हारे लिए। मेरे लिए तो वैसी ही है, जैसी पैदा हुई थी। रात-दिन गीला करती थी और मैं कच्छियां बदलती रहती थी। डायपर तो थे नहीं न उस वक्त वर्ना पूरे दिन न बदलती।' और यहां कुछ भी करो, देर से सोकर उठो, जल्दी सोने चले जाओ, कोई कुछ कहने वाला नहीं। क्या पता ये सब शुरुआती बातें हों। सोचती, शुरू में सब अच्छा बनने की कोशिश कर रहे हों, बाद में बदल जाएं। ऐसा कई सहेलियों के साथ होते भी देखा था।

मम्मी-पापा के पास लौटी तो सब खोद-खोद के पूछने लगे कि सब ठीक तो है। कोई परेशानी तो नहीं, लेकिन क्या कहे। सखी सहेलियां हजार बातें बनाती तो उसे लगता कि वह तो खाली की खाली है, क्या बताए ।कई बार उलाहना देती-छिपा ले, छिपा ले। अभी शादी को चार दिन हुए हैं और इतनी पराई हो गई। खैर कोई बात नहीं।

महेश की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। जब साथ जाने लगी तो सास जी ऐसे रोने लगीं कि उसके आने पर मम्मी भी कभी नहीं रोई थीं। लवलीन को भी रोना आ गया। तब महेश ने उनसे कहा, 'मत रोओ न मां। जब मन करे आ जाना तुम और पापा । छुट्टियां खत्म हो गई हैं वर्ना रुक जाता।'

महेश के साथ आई तो खूब बड़ा सरकारी घर। बड़ा बगीचा । ढेर से पेड़, पौधे, फूल । हरियाली। तरह-तरह के पक्षी। घर के कामकाज के लिए मेड। बगीचे के लिए माली। करने के लिए क्या। कितनी देर टीवी देखे, फेसबुक पर रहे,फोन पर बात करे। कुछ पढ़े।

शादी के बाद पहली बार महेश का जन्मदिन आया तो उसके मम्मी-पापा और लवलीन के माता-पिता भी आ गए।

शाम को पार्टी थी। महेश एक दक्षिण भारतीय होटल से सबके लिए खाना आर्डर करने लगा तो लवलीन ने कहा, 'बाहर से क्यों, हम बना लेंगे।' सासू मां और लवलीन की मम्मी भी बोली कि बाहर से मंगाने का क्या फायदा। सब मिलकर कर लेंगे, लेकिन महेश बोला, 'आज तो सब एंजॉय करेंगे शाम को और वैसे भी आप लोग दिन भर काम कर करके थक गई होंगी। आज दिन में आराम करिए न, जिससे कि शाम को सबके साथ मस्ती कर सकें।'

लवलीन को लगा, बात तो वह सही ही कह रहा था। बचपन से देखती आई थी, किसी त्योहार-वार मम्मी सबेरे से शाम तक खाना बना-बनाकर थक जाती थीं और बाकी सब खाकर पूरे दिन सोते थे। ऊपर से ये और कहते थे कि पक्का खाना खाकर नींद बहुत आती है।

शाम को सारे दोस्त इकट्ठे हो गए थे। खानपान, नाच-गाना, गीत-संगीत, वीडियो बनाना, महेश के मुंह पर केक की लीपापोती। बहुत से तो लवलीन से पहली बार मिल रहे थे। देर रात तक पार्टी चलती रही थी। खैरियत थी कि अगले दिन इतवार था। महेश की छुट्टी भी।

नाश्ता करने के बाद सब गिफ्ट्स खोलकर देखने लगे। महेश के बचपन का फौजी दोस्त नसीम, उसे गिफ्ट पकड़ाते हुए बोला था, 'ध्यान से खोलना चीन गया था। वहीं से खास तेरे लिए लाया हूं।'

लवलीन खोलने लगी कि उसके हाथ से छूट गया। खोलकर देखा तो चाइनीज क्राकरी का खूबसूरत सेट था, जो टूटकर चकनाचूर हो गया था। मम्मी ने देखा तो डांटने लगी, 'कोई काम तुझसे ठीक से नहीं होता। अभी देखा तक नहीं था कि तोड़ दिया। नसीम को पता चलेगा तो क्या कहेगा। पगली कहीं की।'

उनकी बात सुनकर महेश बोला, कोई कुछ नहीं कहेगा मम्मी जी। हो सकता है, मैं खोल रहा होता या कोई और तब टूट जाता। इसमें डांटने की क्या बात है।ॉ

लवलीन नीचे झुककर बटोरने लगी तो सासू मां दौड़ी, 'अरे ऐसे नहीं, हाथ कट जाएगा। रुको, मैं झाड़ू और अखबार लाती हूँ। उस पर समेटो।'

वह सोच रही थी, ओफ ओह, वह तो इन लोगों से कोई ऐसी बुरी बात सुनने तक को तरस गई है, जिस पर गुस्सा आए। नाराज हो। लड़ने का मन करे। घर छोड़ने की धमकी दे। सचमुच जब सब कुछ अच्छा हो तो लाइफ कितनी बोरिंग लगती है, जैसे कोई चैलेंज ही नहीं। न रूठना न मनाना । न किसी की पीठ पीछे की बुराई। न दूसरे से यह कहने का अवसर ही कि अरे तुम कितनी लकी हो कि तुम्हारा हस्बैंड इतना अच्छा है। कभी कुछ कहता ही नहीं और एक मेरा है, जिसे हर बात पर मजाक उड़ाना, नीचा दिखाना और लड़ना ही आता है। कुछ कहने के लिए भी तो कुछ होना, जरूरी जो ठहरा, लेकिन यहां न कोई बहस होती है कभी, न लड़ाई, न झगड़ा, न शिकायत। उसका घर है या सब रोबोट्स हैं। कोई किसी से कुछ कहता ही नहीं। सब एकदूसरेको खुश करने में लगे रहते हैं। लवलीन को लग रहा था, जैसे दम घुटा जा रहा है। लगता है, मम्मी सही कहती हैं, इस दौर की लड़कियों को कैसे भी चैन नहीं। हर बार कुछ नया और अलग चाहिए। जबसे उसने ये खबर पढ़ी है कि एक औरत ने अपने पति की इसलिए शिकायत की कि वह उससे कभी नहीं लड़ता है। उसने बहुत कोशिश की। फिर भी नहीं। इसलिए वह उससे तलाक लेना चाहती है। तब से वह भी न जाने क्या-क्या सोच रही है।